

**SHRI RAJDEO SINGH:** Whether these had any bearing on rural indebtedness and if so what is the extent ?

**SHRIMATI SUSHILA ROHATGI:** Yes, Sir; it has helped in curbing rural indebtedness because through this scheme people are able to save some amount and savings are always helpful as when money is needed they need not have to fall back upon money lenders who charge exorbitant rates of interest.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं यह जानना चाहता हूँ कि पिछले तीन वर्षों में कितनी प्रतिशत बचत की गई है और कितने प्रतिशत कर्ज लिये गये हैं। क्या सरकार ने कोई ऐसी योजना या कार्यक्रम बनाया है कि लोग अधिक से अधिक बचत करें, ताकि वह कर्ज से मुक्त हो सकें और अपने घरों से काम कर सकें या उन्हें कम से कम कर्ज लेने की आवश्यकता हो ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : इस प्रश्न का सीधा जवाब बचत से है। पिछले वर्षों में बचत के आंकड़े बढ़ते ही जा रहे हैं। चौथी पंच-वर्षीय के पहले वर्ष में सारे देश में नेट कलेक्शन 127 करोड़ रुपये, दूसरे वर्ष 197 करोड़ रुपये और अब की बार 220 करोड़ रुपये रही है। इस से जाहिर है कि बचत बराबर बढ़ती जा रही है। इस सम्बन्ध में कई कदम उठाये गये हैं। इससे यह स्पष्ट है कि पूरे ग्रामीण क्षेत्र में और सारी अवस्था में भी बचत को प्रोत्साहन मिला है।

**SHRI VASANT SATHE:** May I know what percentage of rural credit is still from the private source and what percentage from financial institutions ?

**MR. SPEAKER:** That is too detailed a question. If you are in a position to answer it, I do not mind.

**THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANT RAO CHAVAN):** It is very difficult to say what percentage it is, but certainly there is still a large percentage from the private source. The major difficulty with regard to agricultural credit is, it was not coming from institutional credit. In some parts, cooperatives are doing it. At the present moment, commercial banks have taken it up. But even now unfortunately the agricultural sector is still dependent upon the private source.

**SHRI R. V. BADE:** There is some difference between the interest given by Post Office Savings Bank and the interest given by banks on fixed deposits. Would you see that the interest given by Post Office Savings Bank is increased so that it may get encouragement ?

**SHRIMATI SUSHILA ROHATGI:** There is variation in the interests given by the four schemes. For the time deposit account, interest varies from 6 to 7½ per cent. For CTD it varies from 4.8 to 5 per cent. For recurring deposits it is 6½ per cent. In public provident fund, it is about 5 per cent. In Savings Bank, it is from 4 to 4½ per cent.

**SHRI R. V. BADE:** In banks it is much more.

**MR. SPEAKER:** No question of opinion now. You should ask a question. Next question.

कश्मीर में पाकिस्तानी हेलीकोप्टर द्वारा भारतीय वायु-सेना का उल्लंघन

\*902. श्री चन्द्रशेखर वामनकर :

श्री पी० एम्० मेहता :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एक पाकिस्तानी हेलीकोप्टर जैसा कि 23 अप्रैल, 1972 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" में समाचार था, ने काश्मीर में भारतीय प्रशिक्षण केन्द्रों के बारे में सूचना एकत्रित की थी,

(ख) क्या भारतीय सैन्य अधिकारियों को चौका देने के लिए पाकिस्तान ने अपने हेलीकोप्टर का रंग राष्ट्र संघ के हेलीकोप्टर जैसा बनाया था, और

(ग) यदि हा, तो इस बारे में सरकार का क्या प्रतिक्रिया है ?

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) 16 मार्च को एक पाकिस्तानी हेलीकोप्टर ने लगभग पांच मिनट के लिए जम्मू के दक्षिण-पश्चिम में भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन किया। इस क्षेत्र में कोई प्रशिक्षण केन्द्र नहीं है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) हमारी सुरक्षा सेनाएं सतर्क हैं और सभी उल्लंघनों का उचित रूप से सामना किया जाता है।

श्री बन्कूलाल चन्दाकर : क्या इस तरह की घटना पहले भी कभी हुई थी, अर्थात् क्या पाकिस्तानी विमान पहले भी हमारे उस क्षेत्र में आये थे ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : यदि माननीय सदस्य यह जानना चाहते हैं कि 17 दिसम्बर के बाद इस तरह की कितनी घटनाएँ हुई हैं, तो उस का विवरण इस प्रकार है : जम्मू-काश्मीर के इलाके में केवल यही एक घटना हुई है और पंजाब में बार तथा राजस्थान में बार ऐसी घटनाएँ हुई हैं।

श्री बन्कूलाल चन्दाकर : क्या सरकार की ओर से ऐसा आदेश है कि पाकिस्तानी विमान आने पर उस को गोली मार कर गिरा दिया जाये ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : जी हा। इस तरह के आदेश हैं।

SHRI P M MEHTA : May I know whether it is a fact that Pakistan played a trick by painting the helicopter white so as to pass it off as the property of the UN and if so, what steps are being contemplated by Government to check and prevent such espionage activities and air violations ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : The normal precautions are being taken for checking air violations. As I have said, the existing instructions to our field formations are, not only to check violations, but if any intruding aircraft comes, it has to be shot down. There is no ambiguity about the instructions that have been given. But the people who deal with it must be sure that there is air violation of our air space. If they are sure of that, there is no constraint put on them from taking any action they think fit. As far as this particular incident is concerned, I have said in my main answer that there is no training centre, or anything of that kind, where this air violation took place by the helicopter. Therefore, we do not think that this air violation had anything to do with espionage flight or anything like that.

SHRI P M. MEHTA : What about their plying as UN planes ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : I have denied it in the main answer.

श्री सटल बिहारी बाजपेयी : जिस हेलीकोप्टर से यह प्रश्न संबंधित है वह भारत की वायु-सीमा में कितने मील अन्दर

घाया या क्षीर क्या इस तरह का बिबरण बिना बायुयानों ने पंजाब और राजस्थान की बायु-सीमा का उल्लंघन किया उनके बारे में भी मंत्री सहोदय दे सकते हैं ?

श्री बिजा चरण शुक्ल : जी हाँ। बाकी जो दूसरे नौ बायलेषन हुए उन के बिबरण मेरे पास इस समय नहीं है, लेकिन मैं वह सब इकट्ठा करके सभा-पटल पर रख दूँगा। यह हैलीकोप्टर सी गज प्रदर घाया था। और अधिक प्रदर नहीं घा पाया था। मैं इस के बारे में भी जो बिलकुल स्पेसिफिक सूचना है वह एकत्रित करके सभा-पटल पर रख दूँगा।

श्री शंकर बवाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हैलीकोप्टर या हवाई जहाज के कुसपेठ से क्या सरकार यह समझती है कि पाकिस्तान की ओर से लड़ाई की गई पहले और तैयारी हो रही है ?

श्री बिजाचरण शुक्ल : वैसे तो बहुत सी बातों से ऐसी बात का प्रदाजा लगाना पड़ता है। केवल एक बात को लेकर इस तरह का प्रदाज लगाना ठीक नहीं होगा और साधारण समय में भी, शांति के समय में भी इस तरह के बायु सीमा उल्लंघन यदा कदा होते रहते हैं। इसलिए इसी बात को लेकर इतना बड़ा निष्कर्ष निकाल लेना मैं समझता हूँ कि उचित नहीं होगा।

**Grants From World Bank for  
Agricultural Development Program-  
mes in Madhya Pradesh**

\*903 SHRI RANABAHADUR SINGH :  
Will the Minister of FINANCE be pleased  
to state :

(a) whether the Madhya Pradesh  
Government have approached the World

Bank to provide grants for agricultural  
development programmes in the State ;

(b) if so, whether any survey team  
has paid visit recently in this connection ;  
and

(c) if so, the outcome thereof ?

THE MINISTER OF FINANCE  
(SHRI YESHWANTRAO CHAVAN) :

(a) The Government of India have  
proposed, for IDA assistance, an agricul-  
tural credit project in Madhya Pradesh  
involving land levelling, minor irrigation  
and farm mechanisation.

(b) A World Bank Mission visited  
Madhya Pradesh in March, 1972 for an  
appraisal of the technical and economic  
feasibility of the project.

(c) The Mission's report will be  
submitted in due course to the President  
of the World Bank for further considera-  
tion of the proposal. In the meanwhile  
steps are being taken to strengthen the  
Primary Land Development Banks which  
will be the main channel of lending  
under the project.

SHRI RANABAHADUR SINGH :  
I would like to know by when this  
particular aid from the World Bank  
would be released to the State,

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN :  
When they finalise it.

SHRI RANABAHADUR SINGH :  
Could he give any idea as to when it  
would be finalised ?

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN :  
This question of giving dates is rather  
difficulty, because the IDA loans depend  
upon contributions from different  
governments. Though the different  
governments certainly indicate their  
contributions in the consortium meeting.